# Answer No - 7

**पेल्टन टर्बाइन :-** पेल्टन टर्बाइन में जल का प्रवेश उच्च गति पर Nozzle के माध्यम से होता है। जिसमें High head पर उपलब्ध जल की सप्लाई की जाती है। पानी का जैट (Jet) Bucket के माध्य भाग से टकराता है। और बकेट के जुड़वाँ अर्द्ध-गोलाकार कप में प्रवाहित होकर अक्षीय दिशा में कप से बाहर निकलता है। इस व्यवस्था में Runner तथा Runner shaft पर कोई परिमाणी अक्षीय बल क्रिया नहीं करता है। Bucket के कपों का आकार इस प्रकार होता है कि पानी का जैट इनसे टकराकर पीछे की तरफ वापिस आता है। बकेट के दोनों कपों में सामान्यतया

जैट का विक्षेप (Deflection) 160° पर होता है Bucket पर jet के टकराने तथा अक्षीय दिशा में बहने के कारण जैट के संवेग (momentum) में परिवर्तन होता है। फलस्वरूप रनर पर स्पर्शी बल (Tangential force) क्रिया करता है। और रनर को घुमाव गति प्रदान करता है।